Daily Current Affairs

Date : 04 October, 2025

अनुक्रमणिका

क्र. सं.	टॉपिक का नाम
1.	राजस्थान के निर्यात आँकड़े (वित्तीय वर्ष 2023-24 से 2025-26 तक)
2.	आपदा न्यूनीकरण, पुनर्वास और पुनर्निर्माण परियोजनाओं में जयपुर शामिल
3.	सज्जनगढ़ बायोलॉजिकल पार्क, उदयपुर
4.	राजस्थान में पहली बार 'आई-कैट' सॉफ्टवेयर
5.	पूर्व विधानसभा अध्यक्ष गिर्राज प्रसाद तिवारी का निधन
6.	राजस्थान की रणजी टीम
7.	न्यूज़ इन शॉर्ट्स 1. ऑपरेशन खुशी-10 : राजस्थान पुलिस 2. गौ प्रॉडक्ट रिसर्च सेंटर एंड ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट 3. कियाना परिहार- उदयपुर 4. गारमेंट ट्रेनिंग एंड रिसर्च सेंटर – जयपुर 5. 'कथूं-अकथ' का विमोचन 6. संत खेतेश्वर महाराज शोधपीठ 7. फलोदी दुर्ग महोत्सव 8. प्रथम एशियाई पुरुष अंडर-17 हैंडबॉल चैंपियनशिप में राजस्थान के 2 खिलाड़ी
8.	भारत-रूस रणनीतिक साझेदारी
9.	सर क्रीक
10.	मॉन्डियाकल्ट, 2025
11.	शहरी बाढ़ जोखिम प्रबंधन कार्यक्रम
12.	अमेजन की फ्लाइंग रिवर
13.	दलहन में आत्मनिर्भरता मिशन
14.	बायोमेडिकल रिसर्च करियर प्रोग्राम
15.	पद्मविभूषण पंडित छन्नूलाल मिश्र का निधन
16.	राष्ट्रीय धन्वंतरि आयुर्वेद पुरस्कार, 2025
17.	वन्यजीव सप्ताह, 2025
18.	62वीं राष्ट्रीय शतरंज चैंपियनशिप, 2025
19.	न्यूज़ इन शॉर्ट्स 1. H125 हेलीकॉप्टर

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

राजस्थान परिदृश्य

राजस्थान के निर्यात आँकड़े (वित्तीय वर्ष 2023-24 से 2025-26 तक)

चर्चा में क्यों?

- हाल ही में, केंद्र सरकार ने वित्तीय वर्ष 2023-24 से 2025-26 तक राजस्थान के निर्यात के अंतिम आँकड़े जारी किए।

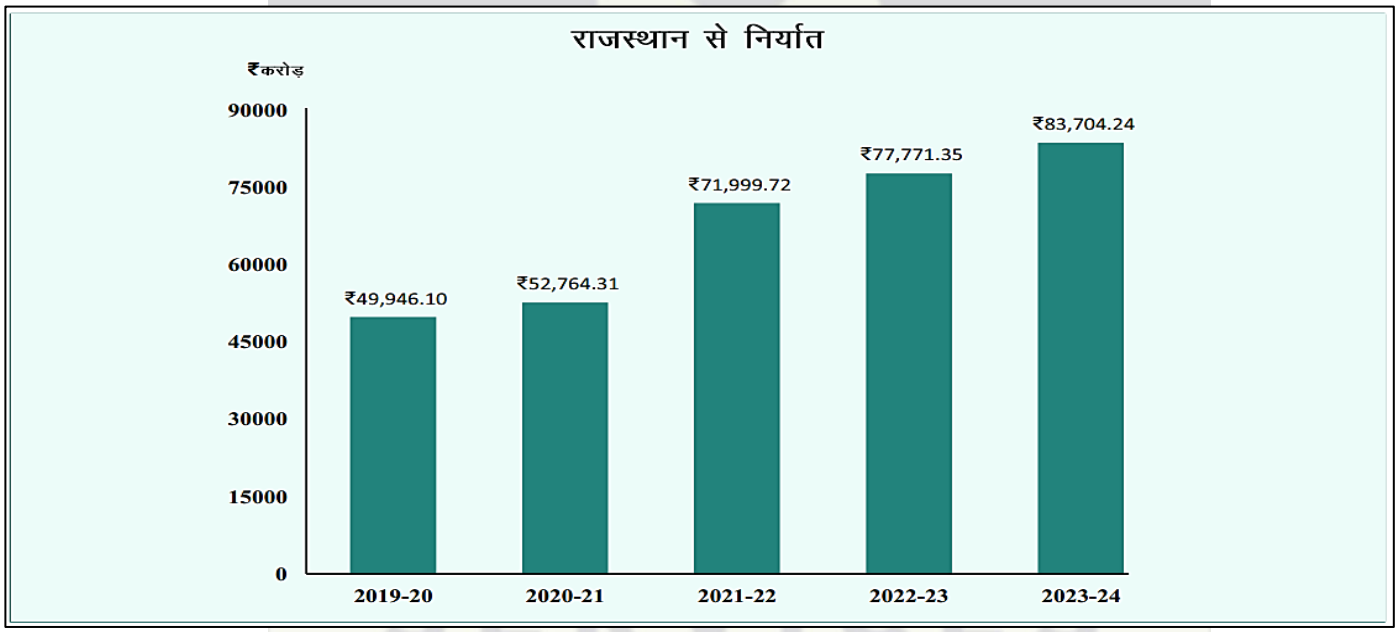

मुख्य बिन्दु:

- **वित्तीय वर्ष 2024-25 में कुल निर्यात :** ₹97,171.68 करोड़।
- वित्तीय वर्ष 2023-24 (₹83,704.24 करोड़) की तुलना में 16 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि दर्ज।
- **वित्तीय वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून, 2025) में निर्यात :** ₹25,212.14 करोड़।
- गत वित्त वर्ष की पहली तिमाही की तुलना में 14.37 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

फैक्ट्स फॉर प्रीलिम्स:

निर्यात संवर्धन हेतु राज्य सरकार की प्रमुख पहलें:

राजस्थान निर्यात प्रोत्साहन नीति, 2024 :

- **लॉन्च :** 8 दिसंबर, 2024 को अधिसूचित की गई थी और 31 मार्च, 2029 तक प्रभावी रहेगी।
- **उद्देश्य :** इस नीति का उद्देश्य वर्ष 2029 तक राज्य के निर्यात को वर्तमान के ₹83,704 करोड़ से बढ़ाकर ₹1.5 लाख करोड़ करना है।

राजस्थान निवेश प्रोत्साहन योजना (RIPS), 2024 :

- **लॉन्च :** 8 अक्टूबर, 2024
- **उद्देश्य :** राज्य में सतत् आर्थिक विकास और रोजगार को बढ़ावा देना।
- **फोकस पॉइंट:** औद्योगिक विकास नवाचार, पर्यावरणीय स्थिरता और हरित विकास को बढ़ावा देने पर केंद्रित।

राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट :

- **आयोजन :** 9 से 11 दिसंबर, 2024 को जयपुर में।
- **उद्देश्य :** राज्य के अभूतपूर्व, समावेशी और सतत आर्थिक व सामाजिक विकास को बढ़ावा देना और निवेशकों को आकर्षित करना।

एक जिला एक उत्पाद (ODOP) नीति, 2024 :

- **लॉन्च :** 8 दिसंबर, 2024 को।
- **उद्देश्य :** प्रत्येक जिले की क्षमताओं का लाभ उठाकर और उन्हें राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय बाजारों के साथ एकीकृत करके बजट 2024-25 के लक्ष्यों को लागू करना।
- यह नीति स्थानीय उद्योगों हेतु सहयोग को सुव्यवस्थित करने, उत्पाद मूल्य श्रृंखलाओं को बेहतर बनाने और क्षेत्रीय विकास को प्रोत्साहित करने पर जोर देती है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

आपदा न्यूनीकरण, पुनर्वास और पुनर्निर्माण परियोजनाओं में जयपुर शामिल

चर्चा में क्यों?

- हाल ही में, केंद्रीय गृह मंत्री एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में एक उच्च स्तरीय समिति (HLC) ने आपदा न्यूनीकरण, पुनर्वास और पुनर्निर्माण परियोजनाओं को मंज़ूरी दी।

मुख्य बिन्दु:

- इन परियोजनाओं में देश भर के प्रमुख शहरों में जयपुर को भी शामिल किया गया है।
- समिति ने कुल 11 शहरों के लिए शहरी बाढ़ जोखिम प्रबंधन कार्यक्रम (UFRMP) चरण-2 के तहत भोपाल, भुवनेश्वर, गुवाहाटी, जयपुर, कानपुर, पटना, रायपुर, त्रिवेंद्रम, विशाखापत्तनम, इंदौर और लखनऊ को शामिल किया।
- **कुल वित्तीय परिव्यय :** 2444.42 करोड़ रुपये।
- **वित्त पोषण :** राष्ट्रीय आपदा न्यूनीकरण कोष (NDMF) से।

फैक्ट्स फॉर प्रीलिम्स:

राष्ट्रीय आपदा न्यूनीकरण कोष (NDMF) :

- **स्थापना :** 5 फरवरी, 2021 को।
- **उद्देश्य :** आपदाओं से होने वाले जोखिमों को कम करने के लिए न्यूनीकरण-आधारित परियोजनाओं को वित्त पोषित करना।
- **प्रशासन :** केंद्रीय गृह मंत्री की अध्यक्षता में एक उच्च स्तरीय समिति (HLC) NDMF से संबंधित परियोजनाओं की मंजूरी और वित्तीय सहायता के प्रस्तावों पर विचार करती है।
- **वित्तपोषण का आधार :** 15वें वित्त आयोग की सिफारिशों के आधार पर NDMF की स्थापना और आवंटन किया गया है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

सज्जनगढ़ बायोलॉजिकल पार्क, उदयपुर

चर्चा में क्यों?

- हाल ही में, एनीमल एक्सचेंज प्रोग्राम के तहत उदयपुर स्थित सज्जनगढ़ बायोलॉजिकल पार्क में जिराफ लाने की प्रक्रिया की शुरुआत हुई।

मुख्य बिन्दु:

- इस प्रोग्राम के तहत अन्य राज्यों से जिराफ लाए जाएंगे जिसके लिए सज्जनगढ़ बायोलॉजिकल पार्क में ₹1.70 करोड़ की लागत से विशेष एनक्लोजर का निर्माण किया जा रहा है।

राजस्थान में स्थित जैविक उद्यान (4):

1. नाहरगढ़ बायोलॉजिकल पार्क, जयपुर।
2. अभेड़ा बायोलॉजिकल पार्क, कोटा।
3. सज्जनगढ़ बायोलॉजिकल पार्क, उदयपुर।
4. माचिया बायोलॉजिकल पार्क, जोधपुर।

- नोट : मरुधरा बायोलॉजिकल पार्क (बीकानेर) प्रक्रियाधीन है।

फैक्ट्स फॉर प्रीलिम्स:

सज्जनगढ़ वन्यजीव अभयारण्य:

- **अवस्थिति :** उदयपुर के सज्जनगढ़ पैलेस के पास स्थित है, जिसे "मानसून पैलेस" के रूप में भी जाना जाता है।
- **घोषणा :** वर्ष 1987 में।
- **वनस्पति :** शुष्क पर्णपाती वन, जिसमें एनोगेइसस पेंडुला, बोसवेलिया सेराटा, अकेशिया सेनेगल और अकेशिया ल्यूकोफ्लोआ आदि प्रमुख है।
- इस क्षेत्र में दुर्लभ और लुप्तप्राय पौधों की प्रजातियाँ कॉमिफेरा व्हाइटी, जिसे स्थानीय रूप से "गुगल" के नाम से जाना जाता है, प्रचुर मात्रा में पाई जाती हैं।
- **वन्यजीव :** लकड़बग्घा, सियार, जंगली बिल्ली, तेंदुआ, हिरण, जंगली सूअर, लंगूर, सिवेट, नेवले आदि।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

राजस्थान में पहली बार 'आई-कैट' सॉफ्टवेयर

चर्चा में क्यों?

- हाल ही में, इंडियन साइबर क्राइम को-ऑर्डिनेशन सेंटर (I4C) द्वारा जयपुर रेंज में साइबर अपराधियों को पकड़ने के लिए एक विशेष प्रकार का सॉफ्टवेयर विकसित किया गया।

मुख्य बिन्दु:

- I4C द्वारा 'आई-कैट' सॉफ्टवेयर विकसित किया गया है। इस सॉफ्टवेयर के माध्यम से किसी भी क्षेत्र में सक्रिय मोबाइल नंबरों और सोशल मीडिया गतिविधियों का विश्लेषण कर संदिग्ध नंबरों की पहचान की जा सकती है।
- सबसे पहले इस सॉफ्टवेयर का पायलट प्रोजेक्ट राजस्थान में शुरू किया गया है। इस पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर जयपुर रेंज के अलवर, भिवाड़ी और खैरथल-तिजारा को चुना गया है।

फैक्ट्स फॉर प्रीलिम्स:

इंडियन साइबर क्राइम को-ऑर्डिनेशन सेंटर (I4C)

- **स्थापना :** गृह मंत्रालय के तहत साइबर और सूचना सुरक्षा प्रभाग (CIS डिवीजन) द्वारा 5 अक्टूबर, 2018 को।
- **उद्घाटन :** 10 जनवरी, 2020 को गृह मंत्री अमित शाह द्वारा।
- **मुख्यालय :** नई दिल्ली।
- **मुख्य उद्देश्य :** साइबर अपराध से संबंधित सभी मुद्दों के समाधान के लिए एक राष्ट्रीय स्तर का समन्वय केंद्र स्थापित करना।
- I4C का उद्देश्य कानून प्रवर्तन एजेंसियों (LEAs) की क्षमताओं में सुधार करना और साइबर अपराध से समन्वित तरीके से निपटने के लिए ढाँचा और पारिस्थितिकी तंत्र प्रदान करना है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

पूर्व विधानसभा अध्यक्ष गिर्राज प्रसाद तिवारी का निधन

चर्चा में क्यों?

- हाल ही में, राजस्थान विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष गिर्राज प्रसाद तिवारी का 105 वर्ष की उम्र में निधन हो गया।

मुख्य बिन्दु:

- **जन्म :** 20 दिसंबर, 1920 को विडयारी (भरतपुर) में।

राजनीतिक सफर :

- तिवारी ने वर्ष 1935 में राजनीति में प्रवेश किया और प्रजामंडल आंदोलन में भाग लिया।
- वे वर्ष 1972 से 1977 तक बयाना और 1985 से 1990 तक भरतपुर से विधायक रहे।
- वे राजस्थान विधानसभा के अध्यक्ष व उपाध्यक्ष दोनों पदों पर रहे।
- **उपाध्यक्ष :** 29 मार्च, 1985 से 31 जनवरी, 1986 तक।
- **अध्यक्ष :** 31 जनवरी, 1986 से 11 मार्च, 1990 तक (8वीं विधानसभा) के अध्यक्ष रहे।
- तिवारी बयाना पंचायत समिति के प्रधान और भरतपुर जिला प्रमुख भी रहे।

फैक्ट्स फॉर प्रीलिम्स:

- **राजस्थान के प्रथम विधानसभा अध्यक्ष :** नरोत्तमलाल जोशी।
- **राजस्थान की वर्तमान (16वीं) विधानसभा के अध्यक्ष :** वासुदेव देवनानी।
- **राजस्थान विधानसभा की प्रथम महिला अध्यक्ष :** सुमित्रा सिंह (12वीं विधानसभा)
- **राजस्थान विधानसभा के प्रथम गैर-कांग्रेसी विधानसभा अध्यक्ष :** लक्ष्मणसिंह (6ठी विधानसभा)
- **राजस्थान के सर्वाधिक कार्यकाल वाले विधानसभा अध्यक्ष :** रामनिवास मिर्धा (2 बार)
- **राजस्थान के न्यूनतम कार्यकाल वाले विधानसभा अध्यक्ष :** समरथलाल मीणा (5 माह)

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

- हीरालाल देवपुरा ऐसे मुख्यमंत्री थे जो विधानसभा अध्यक्ष भी रहे।
- हरिशंकर भाभड़ा ऐसे उपमुख्यमंत्री थे जो विधानसभा अध्यक्ष भी रहे। (2 बार)
- **राजस्थान के प्रथम विधानसभा उपाध्यक्ष :** लालसिंह शक्तावत।
- **निम्न व्यक्ति राजस्थान के विधानसभा अध्यक्ष व उपाध्यक्ष दोनों पदों पर रहे :**
  1. निरंजन नाथ आचार्य।
  2. पूनमचंद विश्नोई।
  3. गिर्राज प्रसाद तिवाड़ी।
  4. शांतिलाल चपलोत।
  5. समरथलाल मीणा।
- **राजस्थान की प्रथम महिला विधानसभा उपाध्यक्ष :** तारा भण्डारी।
- विधानसभा अध्यक्ष व उपाध्यक्ष, अध्यक्ष व उपाध्यक्ष के रूप में अलग से शपथ ना लेकर विधानसभा सदस्य के रूप में ही शपथ लेते हैं।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

राजस्थान की रणजी टीम

चर्चा में क्यों?

- हाल ही में, RCA एडहॉक कमेटी के कन्वीनर द्वारा राजस्थान की रणजी टीम की घोषणा की गई।

मुख्य बिन्दु:

- **रणजी टीम का कप्तान :** महिपाल लोमरोर।
- **उपकप्तान :** मानव सुथार।
- राजस्थान की रणजी टीम में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में देश का प्रतिनिधित्व कर चुके चार खिलाड़ियों; दीपक चाहर, राहुल चाहर, खलील अहमद और दीपक हुडा को शामिल किया गया है।

अन्य महत्त्वपूर्ण बिन्दु:

- राजस्थान क्रिकेट संघ की एडहॉक कमेटी द्वारा प्रदेश में महिला क्रिकेट को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक नई पहल की गई है, जिसके तहत स्वामी विवेकानंद जयंती (12 जनवरी) के अवसर महिला क्रिकेट के नए संस्करण का शुभारंभ किया जाएगा।
- इस क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन राजस्थान क्रिकेट संघ, शिक्षा विभाग और राजस्थान स्पोर्ट्स काउंसिल द्वारा किया जाएगा।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

न्यूज़ इन शॉर्ट्स

क्र. सं.	न्यूज़
1.	**ऑपरेशन खुशी-10 : राजस्थान पुलिस**

- **संचालन :** राजस्थान पुलिस द्वारा 01 से 31 अक्टूबर, 2025 तक।
- **उद्देश्य :** गुमशुदा बच्चों की तलाश और पुनर्वास।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

2.	**गौ प्रॉडक्ट रिसर्च सेंटर एंड ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट** ■ राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (RSS) की गोसेवा समिति द्वारा जयपुर में 'गौ प्रॉडक्ट रिसर्च सेंटर एंड ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट' की स्थापना की जाएगी। ■ **उद्देश्य :** गायों से जुड़े उत्पादों की महत्ता और चिकित्सा में उनके वैज्ञानिक उपयोग को बढ़ावा देना। ■ यह केंद्र गाय से जुड़े 300 से अधिक उत्पादों पर रिसर्च करेगा और देशभर के किसानों व युवाओं को विशेष प्रशिक्षण देगा।
3.	**कियाना परिहार- उदयपुर** ■ राजस्थान की शतरंज खिलाड़ी कियाना परिहार ने कजाकिस्तान के अल्माटी में आयोजित वर्ल्ड कैडेट शतरंज चैंपियनशिप में अंडर-10 गर्ल्स कैटेगरी में कांस्य पदक जीता। ■ **अंक :** 11 राउंड में 8.5 अंक।
4.	**गारमेंट ट्रेनिंग एंड रिसर्च सेंटर – जयपुर** ■ जयपुर में गारमेंट एक्सपोर्टर्स एसोसिएशन ऑफ राजस्थान (GEAR) द्वारा सीतापुरा में 'गारमेंट ट्रेनिंग एंड रिसर्च सेंटर' की स्थापना की जा रही है। ■ यह सेंटर युवाओं और महिलाओं को गारमेंट क्षेत्र में ट्रेनिंग देकर रोजगार के अवसर प्रदान करने के लिए बनाया जाएगा। ■ यह देश का पहला ऐसा सेंटर होगा, जहाँ आर्टिफ़िशियल इंटेलिजेंस (AI) और मॉडर्न टेक्नोलॉजी द्वारा गारमेंट इंडस्ट्री से जुड़ा काम सिखाया जाएगा।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

5.	**'कथूं-अकथ' का विमोचन** ■ हाल ही में, डॉ. राजेश कुमार व्यास की नई पुस्तक 'कथू-अकथ' का विमोचन किया गया। ■ पुस्तक का विमोचन जयपुर में आयोजित राजस्थानी भाषा और साहित्य पर आधारित कार्यक्रम 'आखर पोथी' में किया गया। ■ **आयोजक :** ग्रासरूट मीडिया फाउंडेशन और प्रभा खेतान फाउंडेशन द्वारा संयुक्त रूप से।
6.	**संत खेतेश्वर महाराज शोधपीठ** ■ हाल ही में, विश्वविद्यालय कुलसचिव द्वारा जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर में संत खेतेश्वर महाराज शोधपीठ स्थापित करने का आदेश जारी किया गया। ■ इस शोधपीठ के माध्यम से संत खेतेश्वर महाराज तथा आसोतरा (बालोतरा) क्षेत्र के धार्मिक, सांस्कृतिक, सामाजिक और भौगोलिक योगदान का गहन अध्ययन किया जाएगा।
7.	**फलोदी दुर्ग महोत्सव** ■ सांस्कृतिक सृजन पखवाड़े के तहत राजस्थान संगीत नाटक अकादमी जोधपुर तथा जिला प्रशासन फलोदी द्वारा 30 सितंबर से 1 अक्टूबर, 2025 तक फलोदी दुर्ग महोत्सव का आयोजन किया गया।
8.	**प्रथम एशियाई पुरुष अंडर-17 हैंडबॉल चैंपियनशिप में राजस्थान के 2 खिलाड़ी** ■ अम्मान (जॉर्डन) में आयोजित 'प्रथम एशियाई पुरुष अंडर-17 हैंडबॉल चैंपियनशिप' में राजस्थान के 2 खिलाड़ियों ने भाग लिया। ■ **राजस्थान के खिलाड़ी :** दुष्यंत शर्मा (हनुमानगढ़) और कार्तिक (श्रीगंगानगर)। ■ **आयोजन :** 15 से 25 सितंबर, 2025 तक अम्मान (जॉर्डन) में। ■ यह चैंपियनशिप एशिया में अंडर-17 पुरुष वर्ग की पहली महाद्वीपीय प्रतियोगिता थी।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य

भारत-रूस रणनीतिक साझेदारी

चर्चा में क्यों?

- अक्टूबर 2025 में भारत-रूस रणनीतिक साझेदारी के 25 वर्ष पूरे हुए। दोनों देशों ने अक्टूबर 2000 में "भारत-रूस रणनीतिक साझेदारी घोषणा-पत्र" पर हस्ताक्षर किए थे।

मुख्य बिन्दु:

बहुआयामी भारत-रूस राजनयिक संबंध

- **रणनीतिक साझेदारी फ्रेमवर्क:** द्विपक्षीय संबंधों को 2010 में 'विशेष एवं विशेषाधिकार प्राप्त रणनीतिक साझेदारी (Special and Privileged Strategic Partnership)' के स्तर तक बढ़ाया गया था।
- **संस्थागत तंत्र:** हर साल शिखर सम्मेलन का आयोजन किया जाता है। दोनों देशों के विदेश और रक्षा मंत्रियों के बीच 2+2 वार्ता होती है। दोनों देशों की सेनाओं के बीच तकनीकी सहयोग भी जारी है।
- **व्यापार और आर्थिक सहयोग:** वित्त वर्ष 2024-25 में द्विपक्षीय व्यापार 68.7 बिलियन अमेरिकी डॉलर के रिकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुंच गया है।
- **भारत से रूस को होने वाले निर्यात:** इसमें फार्मास्यूटिकल्स, कार्बनिक और अकार्बनिक रसायन, लोहा एवं इस्पात तथा समुद्री उत्पाद शामिल हैं।
- **रूस से भारत को होने वाले निर्यात:** इसमें तेल एवं पेट्रोलियम उत्पाद, वनस्पति तेल (सूरजमुखी तेल), उर्वरक, कोकिंग कोयला, तथा कीमती पत्थर और धातुएं शामिल हैं।
- **रक्षा और सुरक्षा सहयोग:** दोनों देशों के मध्य सहयोग अब क्रेता-विक्रेता के फ्रेमवर्क से आगे बढ़कर उन्नत रक्षा प्रौद्योगिकियों के संयुक्त अनुसंधान, विकास एवं उत्पादन की ओर बढ़ गया है। जैसे- ब्रह्मोस क्रूज मिसाइलों का संयुक्त विकास।
- **बहुपक्षीय सहयोग:** दोनों देश संयुक्त राष्ट्र, G-20, ब्रिक्स, SCO आदि मंचों पर एक-साथ मिलकर काम करते हैं।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

सर क्रीक

चर्चा में क्यों?

- भारत ने सर क्रीक क्षेत्र में पाकिस्तान द्वारा सैन्य अवसंरचना विकास के मद्देनजर पाकिस्तान की आलोचना की है।

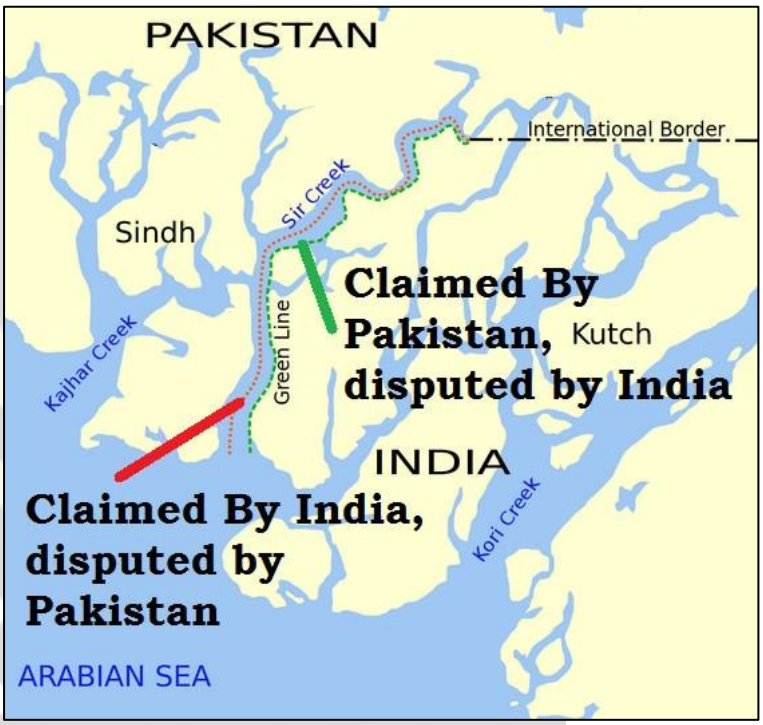

मुख्य बिन्दु:

- यह गुजरात के कच्छ के रण और पाकिस्तान के बीच 96 किलोमीटर लम्बी ज्वारीय एस्चुअरी है। यह पाकिस्तान के सिंध प्रांत को गुजरात के कच्छ क्षेत्र से अलग करता है ।
- इसका नाम एक ब्रिटिश के नाम पर रखा गया है और यह अरब सागर में फैला हुआ है ।

विवाद:

- भारत ने 1947 से ही सर क्रीक की सीमा को थालवेग सिद्धांत के आधार पर तय करने की मांग की है, जो नौगम्य जलमार्ग की मध्य रेखा के साथ सीमाएं निर्धारित करता है।
- पाकिस्तान का तर्क है कि सर क्रीक नौगम्य नहीं है, इसलिए यहाँ थालवेग सिद्धांत लागू नहीं होता है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

मॉन्डियाकल्ट, 2025

चर्चा में क्यों?

- 1 अक्टूबर, 2025 को बार्सिलोना में सांस्कृतिक नीतियों और सतत् विकास पर यूनेस्को विश्व सम्मेलन – मॉन्डियाकल्ट, 2025 का समापन समारोह आयोजित किया गया।

मुख्य बिन्दु:

- **उद्घाटन समारोह :** 29 सितंबर, 2025
- समापन समारोह में भारत का प्रतिनिधित्व संस्कृति मंत्रालय की अतिरिक्त सचिव अमिता प्रसाद साराभाई ने किया, जिन्होंने मॉन्डियाकल्ट 2025 के दौरान एशिया-प्रशांत क्षेत्र के सह-अध्यक्ष के रूप में कार्य किया।
- समारोह में एक सांस्कृतिक प्रस्तुति, उसके बाद युवा मंच के निष्कर्षों का वाचन, नागरिक समाज के हस्तक्षेप, परिणाम दस्तावेज़ को अपनाना, मॉन्डियाकल्ट 2025 की मौखिक रिपोर्ट और अंतिम टिप्पणियाँ शामिल थीं।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

पर्यावरण एवं पारिस्थितिकी

शहरी बाढ़ जोखिम प्रबंधन कार्यक्रम

चर्चा में क्यों?

- केंद्रीय गृह मंत्री की अध्यक्षता में उच्च स्तरीय समिति ने 11 शहरों के लिए 'शहरी बाढ़ जोखिम प्रबंधन कार्यक्रम' के तीसरे चरण को मंजूरी दी।

मुख्य बिन्दु:

शहरी बाढ़ जोखिम प्रबंधन कार्यक्रम

- **वित्तपोषण:** यह राष्ट्रीय आपदा न्यूनीकरण कोष (NDMF) के दिशानिर्देशों के अनुसार केंद्र और राज्यों के बीच लागत-साझेदारी के आधार पर होगा। 90% खर्च केंद्र सरकार एवं 10% खर्च राज्य सरकार वहन करेगी।
- **शामिल शहर:** भोपाल, भुवनेश्वर, गुवाहाटी, जयपुर, कानपुर, पटना, रायपुर, त्रिवेन्द्रम, विशाखापत्तनम, इंदौर और लखनऊ।

शहरी बाढ़ जोखिम शमन परियोजना में शामिल गतिविधियां:

- **संरचनात्मक उपाय (Structural measures):** जलाशयों को आपस में जोड़कर वर्षा-जल प्रबंधन, बाढ़ सुरक्षा दीवार का निर्माण, मृदा का कटाव रोकना और प्राकृतिक समाधानों (NBS) से भूमि को स्थिर करना।
- **गैर-संरचनात्मक उपाय (Non-structural measures):** बाढ़ की पूर्व-चेतावनी जारी करना, बाढ़ पर डेटा प्राप्त करना और विश्लेषण, क्षमता निर्माण, आदि।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

अमेजन की फ्लाइंग रिवर

चर्चा में क्यों?

- एक अध्ययन में अमेजन की 'फ्लाइंग रिवर' पर वनों की कटाई के नकारात्मक प्रभावों के बारे में कहा गया है कि वनों की अत्यधिक कटाई से दक्षिण-पश्चिमी अमेज़न में सूखे की स्थिति और अधिक बदतर हो सकती है।

मुख्य बिन्दु:

अमेजन की फ्लाइंग रिवर:

- यह एक प्राकृतिक परिघटना है जिसमें जलवाष्प का वायुमंडल में परिवहन और पुनर्चक्रण होता है। इसमें विशाल मात्रा में जलवाष्प अमेज़न बेसिन के ऊपर प्रवाहित होती है।
- यह जलवाष्प अटलांटिक महासागर में होने वाले वाष्पीकरण और अमेजन वन से 'वाष्पोत्सर्जन' द्वारा उत्पन्न होता है।
- वाष्पोत्सर्जन उन सभी प्रक्रियाओं का योग है जिसके द्वारा जल, भूमि की सतह से वायुमंडल में प्रवेश करता है।
- यह जलवाष्प भूमध्य रेखा के साथ पश्चिम की ओर बहने वाली स्थिर अंतर्देशीय व्यापारिक हवाओं द्वारा प्रवाहित होती है।
- **महत्त्व:** यह प्रक्रिया अमेज़न क्षेत्र, खासकर उत्तर-पश्चिमी दक्षिण अमेरिका में एंडीज पर्वतों के पास, वर्षा को नियंत्रित करने में अहम भूमिका निभाती है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

महत्त्वपूर्ण योजनाएँ

दलहन में आत्मनिर्भरता मिशन

चर्चा में क्यों?

- केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 'दलहन में आत्मनिर्भरता मिशन' को मंजूरी प्रदान की। इस मिशन की घोषणा केंद्रीय बजट 2025-26 में की गई थी।

मुख्य बिन्दु:

- **समयावधि:** 6 वर्ष (2025-26 से 2030-31) तक।
- **लक्ष्य:** दलहन के घरेलू उत्पादन को बढ़ावा देना और आत्मनिर्भरता प्राप्त करना।

निर्धारित लक्ष्य:

- **क्षेत्रफल:** दलहन उत्पादन के क्षेत्रफल को 310 लाख हेक्टेयर तक बढ़ाना।
- **उत्पादन:** उत्पादन को 350 लाख टन तक ले जाना।
- **उत्पादकता:** उपज को 1130 किलोग्राम/ हेक्टेयर तक बढ़ाना।
- **दृष्टिकोण:** मिशन के तहत क्लस्टर-आधारित दृष्टिकोण अपनाया जाएगा। इसमें प्रत्येक क्लस्टर की विशिष्ट आवश्यकताओं के अनुरूप हस्तक्षेप किए जाएंगे।
- **फोकस फसलें:** तूर/अरहर, उड़द और मसूर।
- भारतीय राष्ट्रीय कृषि सहकारी विपणन महासंघ (NAFED) और भारतीय राष्ट्रीय सहकारी उपभोक्ता महासंघ लिमिटेड (NCCF) अगले 4 वर्षों में भागीदार राज्यों के किसानों से 100% उपज की खरीद करेंगे।
- भारत दुनिया में दालों का सबसे बड़ा उत्पादक है।
- वित्त वर्ष 2014 में दालों का उत्पादन 192.55 लाख टन था। यह वित्त वर्ष 2024 में बढ़कर 244.93 लाख टन हो गया। हालांकि, घरेलू उत्पादन मांग के अनुरूप नहीं रहा है।

सबसे बड़ा उपभोक्ता एवं आयातक:

- भारत दालों का सबसे बड़ा उपभोक्ता भी है।
- भारत द्वारा दालों के आयात में काफी वृद्धि देखी गई है।
- भारत ने 2024-25 के दौरान 5.48 बिलियन डॉलर मूल्य की रिकॉर्ड 72.56 लाख टन दालों का आयात किया था।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

बायोमेडिकल रिसर्च करियर प्रोग्राम

चर्चा में क्यों?

- केंद्रीय मंत्रिमंडल ने बायोमेडिकल रिसर्च करियर प्रोग्राम, फेज-III को 2025-26 से 2030-2031 तक जारी रखने की मंजूरी दी है।

मुख्य बिन्दु:

बायोमेडिकल रिसर्च करियर प्रोग्राम

- **उद्देश्य:** उत्कृष्ट वैज्ञानिक प्रतिभा को प्रोत्साहित करना ताकि वे अत्याधुनिक बायोमेडिकल शोध कर सकें तथा बहु-विषयक शोध को बढ़ावा देना।
- इससे उच्च गुणवत्ता वाले अनुसंधान को समर्थन देने वाली प्रणालियों को भी मजबूती मिलेगी। इससे वैश्विक स्तर पर प्रभाव डालने वाले विश्वस्तरीय बायोमेडिकल शोध क्षमता का निर्माण होगा।
- **कार्यान्वयन:** भारत सरकार के जैव-प्रौद्योगिकी विभाग (DBT), यूनाइटेड किंगडम की वेलकम ट्रस्ट और भारत की SPV, इंडिया एलायंस की साझेदारी में फेज-III के तहत लागू किया जाएगा।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

व्यक्तित्व

पद्मविभूषण पंडित छन्नूलाल मिश्र का निधन

चर्चा में क्यों?

- 2 अक्टूबर, 2025 को बनारस घराने और पद्म विभूषण से सम्मानित शास्त्रीय गायक पंडित छन्नूलाल मिश्र का निधन हो गया।

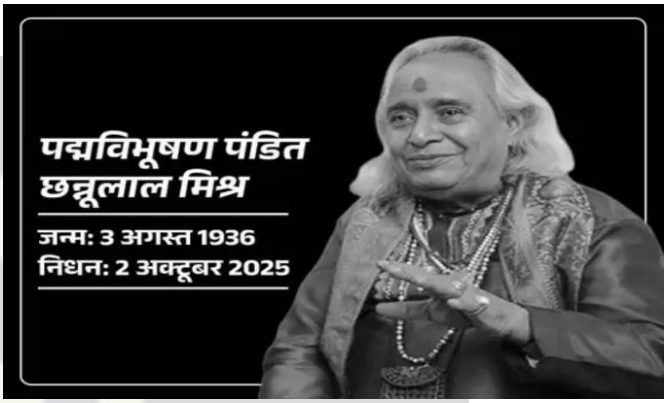

मुख्य बिन्दु:

- **संबंध :** उत्तर प्रदेश

उपलब्धियां :

- 1995 में वॉशिंगटन डीसी के एयर एंड स्पेस ऑडिटोरियम में स्मिथ सोनियन अवॉर्ड।
- 2000 में उत्तर प्रदेश संगीत नाटक अकादमी अवॉर्ड से सम्मानित।
- 2004 में BHU के पंडित मदन मोहन मालवीय अवॉर्ड से नवाजा गया।
- 2010 में पद्मभूषण से सम्मानित
- 2014 में प्रधानमंत्री ने उन्हें स्वच्छ भारत अभियान के लिए "नवरत्न" चुना।
- 2020 में पद्म विभूषण से सम्मानित ।

अन्य महत्त्वपूर्ण बिन्दु :

भारत के प्रमुख शास्त्रीय घराने :

घराना	स्थान	संस्थापक
ग्वालियर	ग्वालियर	नंथन खान
रंगीला	आगरा	फैय्याज खान
आगरा	आगरा	हाजीसुजान खान
जयपुर अतरौली	जयपुर	अल्लादिया खान
किराना	अवध	अब्दुल वाहिद खान

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

पुरस्कार

राष्ट्रीय धन्वंतरि आयुर्वेद पुरस्कार, 2025

चर्चा में क्यों?

- आयुष मंत्रालय ने प्रो. बनवारी लाल गौर, वैद्य नीलकंधन मूस ई.टी. और वैद्य भावना प्रशर को शैक्षणिक, पारंपरिक और वैज्ञानिक क्षेत्रों में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिये राष्ट्रीय धन्वंतरि आयुर्वेद पुरस्कार, 2025 से सम्मानित किया गया।

मुख्य बिन्दु:

- यह पुरस्कार आयुष मंत्रालय द्वारा स्थापित किया गया।
- यह आयुर्वेद के प्रचार, संरक्षण और नवाचार में उत्कृष्टता को मान्यता देता है।
- **पुरस्कार :** प्रशस्ति पत्र, भगवान धन्वंतरि की प्रतिमा वाली ट्रॉफी और ₹5 लाख का नकद पुरस्कार प्रदान किया गया।
- वर्ष 2025 के पुरस्कार विजेता आयुर्वेद के तीन महत्त्वपूर्ण आयामों का प्रतिनिधित्व करते हैं- विद्वत्ता, पारंपरिक अभ्यास और वैज्ञानिक नवाचार।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

विजेता	योगदान
प्रो. बनवारी लाल गौर	■ भाषा और साहित्य के माध्यम से आयुर्वेद का सशक्तिकरण। ■ आयुर्वेदिक शिक्षा और संस्कृत विद्वत्ता में योगदान देते हुए छः दशकों से अधिक समय। ■ उन्हें राष्ट्रपति सम्मान समेत कई राष्ट्रीय सम्मान प्राप्त हुए हैं।
वैद्य नीलकंधन मूस ई.टी	■ केरल की चिकित्सा धरोहर के संरक्षक। ■ वैद्यरत्नम समूह के प्रमुख, वैद्य नीलकंधन मूस ई.टी., 200 वर्ष पुरानी आयुर्वेदिक विरासत वाले परिवार की आठवीं पीढ़ी का प्रतिनिधित्व करते हैं। ■ उन्होंने केरल की शास्त्रीय आयुर्वेदिक पद्धतियों को राष्ट्रीय और वैश्विक स्तर पर फैलाने में योगदान दिया है।
वैद्य भावना पराशर	■ आयुर्वेद और जीनोमिक्स का एकीकरण। ■ CSIR-IGIB में वैज्ञानिक वैद्य भावना पराशर को आयुर्जेनोमिक्स के क्षेत्र में उनके अग्रणी कार्य के लिए सम्मानित किया गया है। ■ पराशर की शोध प्रकृति और त्रिदोष जैसी पारंपरिक आयुर्वेदिक अवधारणाओं को आधुनिक जीनोमिक विज्ञान से जोड़ता है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

आयुष चिकित्सा पद्धति

आयुष में आयुर्वेद, योग और प्राकृतिक चिकित्सा, यूनानी, सिद्ध, सोवा रिग्पा और होम्योपैथी शामिल हैं, आयुर्वेद का 5000+ वर्षों का प्रलेखित इतिहास है।

आयुर्वेद

भगवान ब्रह्मा को आयुर्वेद का प्रथम प्रवर्तक माना जाता है

- **संहिता काल (1000 ईसा पूर्व):** परिपक्व चिकित्सा प्रणाली के रूप में उभरा
  - **चरक संहिता:** सबसे प्राचीन और आधिकारिक संहिता
  - **सुश्रुत संहिता:** आठ विशिष्टताओं में मौलिक सिद्धांत और चिकित्सीय विधियाँ प्रदान करती है
- **मुख्य शाखा:**
  - **आत्रेय पुनर्वसु-** चिकित्सकों की शाखा
  - **दिवोदास धन्वंतरि -** शल्यचिकित्सकों की शाखा

आयुर्वेद की शाखाएँ

- काय चिकित्सा- चिकित्सा।
- शल्य चिकित्सा- सर्जरी।
- शालाक्य तंत्र- ईएनटी और नेत्र विज्ञान।
- बाल रोग चिकित्सा।
- अगद तंत्र- विष विज्ञान।
- भूतविद्या - मनोरोग।
- रसायन- कायाकल्प चिकित्सा और जराचिकित्सा।
- वाजीकरण तंत्र- सेक्सोलॉजी।

योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा

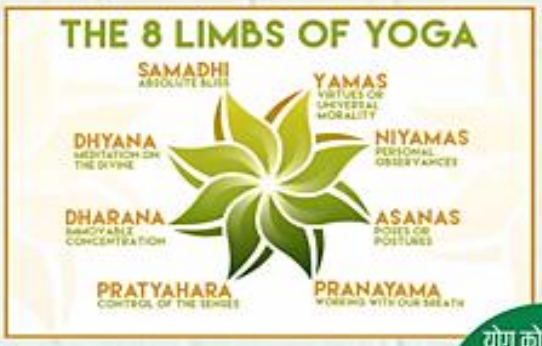

योग को सर्वप्रथम महर्षि पतंजलि ने व्यवस्थित रूप में योगसूत्र के रूप में प्रतिपादित किया

- **प्राकृतिक चिकित्सा:** 5 प्राकृतिक तत्वों - पृथ्वी, जल, वायु, अग्नि और आकाश की सहायता से उपचार
  - शरीर की स्व-उपचार क्षमता सिद्धांतों और स्वस्थ जीवन के सिद्धांतों पर आधारित
  - रोग-केंद्रित दृष्टिकोण के स्थान पर व्यक्ति-केंद्रित दृष्टिकोण को प्रोत्साहित करता है

यूनानी

ग्रीस में अग्रणी, अरबों द्वारा 7 सिद्धांतों के रूप में विकसित (उमूर-ए-तब्बिया)

- बुकरात (हिप्पोक्रेट्स) और जालीनूस (गैलेन) की शिक्षाओं के ढाँचे के आधार पर
  - चार ह्यूमर्स का हिप्पोक्रेटिक सिद्धांत अर्थात् रक्त, कफ, पीला पित्त और काला पित्त
- WHO द्वारा मान्यता प्राप्त और भारत द्वारा वैकल्पिक स्वास्थ्य प्रणाली के रूप में आधिकारिक दर्जा प्रदान किया गया

सिद्ध

10000 - 4000 ईसा पूर्व; सिद्धर अगस्तियार- सिद्ध चिकित्सा के जनक

- निवारक, प्रोत्साहनात्मक, उपचारात्मक, पुनर्जीवनात्मक और पुनर्वासात्मक स्वास्थ्य देखभाल
- **4 घटक:** लैट्रो-रसायन विज्ञान, चिकित्सा अभ्यास, योग अभ्यास और बुद्धि
- 3 निदानात्मक ह्यूमर्स (मुक्कुट्रम) और 8 महत्त्वपूर्ण परीक्षणों (एन्वागई थेरवु) पर आधारित है

आयुर्वेद के 3 गुण (त्रिदोष): वात, पित्त और कफ

सोवा रिग्पा

उत्पत्ति: भगवान बुद्ध के समय 2500 वर्ष पूर्व भारत में

- लद्दाख, हिमाचल प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश आदि के हिमालयी क्षेत्रों में पारंपरिक चिकित्सा।
- भारतीय चिकित्सा केंद्रीय परिषद् अधिनियम, 1970 (वर्ष 2010 में संशोधित) द्वारा भारत में मान्यता प्राप्त।

होम्योपैथी

जर्मन चिकित्सक डॉ. क्रिश्चियन फ्रेडरिक सैमुअल हैनिमैन ने इसके मूलभूत सिद्धांतों को संहिताबद्ध किया।

- जर्मन चिकित्सक डॉ. क्रिश्चियन फ्रेडरिक सैमुअल हैनिमैन ने इसके मूलभूत सिद्धांतों को संहिताबद्ध किया।
- औषधियाँ मुख्यतः प्राकृतिक पदार्थों (पौधे उत्पाद, खनिज, पशु स्रोत) से तैयार की जाती हैं।
- वर्ष 1810 में यूरोपीय मिशनरियों द्वारा भारत में लाया गया; वर्ष 1948 में आधिकारिक मान्यता प्रदान की गई।
- **3 प्रमुख सिद्धांत:**
  - सिमिलिया सिमिलिबस क्यूरेंटूर ("सम: समम् शमयति" या "समरूपता")
  - सिंगल मेडिसिन
  - मिनिमम डोज़

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

महत्त्वपूर्ण दिवस

वन्यजीव सप्ताह, 2025

चर्चा में क्यों?

- केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव ने हरियाणा के मानेसर में नमो वन की आधारशिला रखने के साथ-साथ अरावली प्रजाति नर्सरी का उद्घाटन तथा वन्यजीव सप्ताह, 2025 (2 से 8 अक्टूबर, 2025) का शुभारंभ किया।

मुख्य बिन्दु:

वन्यजीव सप्ताह 2025	■ **आयोजन :** प्रतिवर्ष 2 से 8 अक्टूबर ■ **थीम 2025 :** 'सेवा पर्व'- प्रकृति के प्रति सेवा और उत्तरदायित्व पर ध्यान केंद्रित करना। ■ **उद्देश्य :** वन्यजीव संरक्षण और पारिस्थितिकीय संतुलन के बारे में व्यापक जागरूकता बढ़ाना।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

नमो वन	■ हरियाणा सरकार ने "नमो वन" विकसित करने के लिये हरियाणा में 75 स्थानों की पहचान की है। ■ पर्यावरण अनुकूल पार्क पहल है जिसे प्रमुख शहरों में शुरू किया गया है, जो हरित स्थलों को बढ़ाने और शहरी स्थिरता को प्रोत्साहित करती हैं।
अरावली प्रजाति नर्सरी	■ यह स्वदेशी अरावली प्रजातियों के संरक्षण, पुनःरोपण, हरित आवरण का विस्तार, जैवविविधता का संरक्षण पर केंद्रित हैं।
ग्रीन अरावली एक्शन प्लान	■ केंद्र और राज्य सरकारों के मध्य सहयोग से दक्षिणी हरियाणा में लागू किया गया। ■ यह पहल चार राज्यों की अरावली पहाड़ियों तक फैली हुई है।

अन्य महत्त्वपूर्ण बिन्दु :

- **विश्व वन्यजीव दिवस :** 3 मार्च
- **शुरुआत :** वर्ष 2013 में थाईलैंड द्वारा संयुक्त राष्ट्र महासभा में रखे गए प्रस्ताव से शुरू।
- **वर्ष 2025 की थीम :** "वन्यजीव संरक्षण वित्त - लोगों और ग्रह में निवेश"
- **राष्ट्रीय वन्यजीव दिवस 2025 :** 4 सितंबर

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

खेल

62वीं राष्ट्रीय शतरंज चैंपियनशिप, 2025

चर्चा में क्यों?

- 1 अक्टूबर, 2025 को तमिलनाडु के ग्रैंडमास्टर पी इनियान ने 62वीं राष्ट्रीय शतरंज चैंपियनशिप, 2025 जीती।

मुख्य बिन्दु:

- **आयोजन :** 21 सितंबर से 1 अक्टूबर, 2025 तक आंध्र प्रदेश के गुंटूर में आयोजित की गई।

स्थान	ग्रैंडमास्टर	इनामी राशि
1st	पी इनियान (तमिलनाडु)	6 लाख रुपये + ट्रॉफी
2nd	एच. गौतम कृष्णा (केरल)	5 लाख रुपये + ट्रॉफी
3rd	शशिकिरण कृष्णन (PSPB) ; सर्वाधिक टाई-ब्रेक	4 लाख रुपये + ट्रॉफी
4th	अरोण्यक घोष	-
5th	अभिजीत गुप्ता	-

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

- **राष्ट्रीय शतरंज चैंपियनशिप की शुरुआत :** वर्ष 1995 आंध्र प्रदेश के एलुरु में आयोजित की गई।

अन्य महत्त्वपूर्ण बिन्दु :

शतरंज में भारत की वैश्विक स्थिति :

चैम्पियनशिप	भारतीय ग्रैंडमास्टर
वर्ल्ड चैम्पियन	गुकेश डोम्माराजु
वर्ल्ड रैपिड चैम्पियनशिप	कोनेरू हम्पी
चेस ओलंपियाड विजेता	भारत (ओपन)
चेस ओलंपियाड विजेता	भारत (महिला)
FIDE महिला वर्ल्ड कप विजेता	दिव्या देशमुख

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

✂️ न्यूज़ इन शॉर्ट्स ⚡

क्र. सं.	न्यूज़
1.	**H125 हेलीकॉप्टर** ■ कोलार (कर्नाटक) में निजी क्षेत्र से भारत की पहली हेलीकॉप्टर फाइनल असेंबली लाइन , 2027 में भारतीय निर्मित H125 हेलीकॉप्टरों को बाजार में उतारेगी। ■ एयरबस ने भारत में H125 के निर्माण के लिए टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स के साथ साझेदारी की है। एच125 एकल इंजन वाला हेलीकॉप्टर है। ■ यह एक हल्का बहु-भूमिका वाला हेलीकॉप्टर है , जो ऊँचे, गर्म और चरम वातावरण में भी काम कर सकता है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR